Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **निम्नलिखित में से कौन-सा गरीबी उन्मूलन का उपाय नहीं है-**
   (अ) कीमतों में वृद्धि
   (ब) इनमें से कोई नहीं
   (स) जनसंख्या नियंत्रण
   (द) विकास की ऊँची दर

2. **जब विभिन्न वर्गों, प्रदेशों तथा दूसरे देशों की तुलना के आधार पर गरीबी को मापा जाता है तो यह गरीबी मापन किस प्रकार का है?**
   (अ) सापेक्ष
   (ब) इनमें से कोई नहीं
   (स) सापेक्ष तथा निरपेक्ष दोनों
   (द) निरपेक्ष

3. **सरकार द्वारा निर्धनता को दूर करने वाला कार्यक्रम-**
   (अ) जवाहर रोज़गार योजना
   (ब) जवाहर रोज़गार योजना तथा शिक्षित बेरोज़गार युवकों के लिए स्व-निर्माण योजना दोनों ही
   (स) शिक्षित बेरोज़गार युवकों के लिए स्व-नियोजन योजना
   (द) इनमें से कोई नहीं

4. **प्रत्येक देश काल्पनिक रेखा का प्रयोग करता है जिसे विकास तथा उसके स्वीकृत न्यूनतम सामाजिक मानदंडों के वर्तमान स्तर के अनुरूप माना जाता है-**
   (अ) इनमें से कोई नहीं
   ब) निर्धनता
   (स) निर्धनता रेखा
   (द) ग्रामीण निर्धनता

5. **भारत में गरीबी का अनुमान इस रूप में दिया जाता है-**
   (अ) गरीबी अनुपात तथा गरीब लोगों की कुल संख्या दोनों रूपों में
   (ब) गरीबी अनुपात (प्रतिशत)
   (स) गरीब लोगों की कुल संख्या
   (द) इनमें से कोई नहीं

6. **निर्धनों से भी निर्धन कौन हैं?**
   (अ) बच्चियाँ
   (ब) बूढ़े लोग
   (स) सभी
   (द) औरतें

7. **निम्नलिखित में से कौन सा गरीबी उन्मूलन का उपाय है-**
   (अ) पूँजी का अभाव
   (ब) इनमें से कोई नहीं
   (स) कृषि का विकास
   (द) कृषि का पिछड़ापन

8. **NSSO का पूरा नाम क्या है?**
   (अ) नेचुरल सैम्पल सर्वे ऑर्गनाईजेशन
   (ब) नेशनल सैम्पल सस्टेन ऑर्गनाईजेशन
   (स) न्यूट्रल सैम्पल सर्वे ऑर्गनाईजेशन
   (द) नेशनल सैम्पल सर्वे ऑर्गनाईजेशन

मिशन ज्ञान
पढ़ना जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. भारत में सबसे अधिक असुरक्षित सामाजिक और आर्थिक समूह कौन से हैं?

(अ) कुछ उच्च वर्ग के लोग (ब) नवयुवक

(स) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (द) इनमें से कोई नहीं

10. निम्नलिखित में से कौन-सा गरीबी का कारण नहीं है-

(अ) जनसंख्या नियंत्रण (ब) विकास की धीमी गति

(स) इनमें से कोई नहीं (द) कीमतों में वृद्धि

रिक्त स्थान :

11. _____ गरीबी समाज में आय के असमान वितरण को प्रदर्शित करती है। (संपूर्ण, सापेक्षिक)

12. भारत में शहरों का प्रतिशत ग्रामीण गरीबी की तुलना में _____ करती है। (अधिक, कम)

सत्य / असत्य

13. गरीबी से आशय है कि जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए आवश्यक आय की कमी होना।

14. निर्धनता कम करने में सफलता की दर सभी राज्यों में एक जैसी है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. दो महत्त्वपूर्ण प्रकार की गरीबी बताए।

16. अंत्योदय क्या है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत में निर्धनता रेखा का आंकलन कैसे किया जाता है?

18. गरीबी का दुश्चक्र क्या है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?

20. वैश्विक निर्धनता की प्रवृत्तियों की चर्चा करें।

HOTS

21. यदि केवल आर्थिक सहायता से निर्धनता को दूर किया जा सकता, तो भारत जैसे देश में निर्धनता अब तक समाप्त हो चुकी होती। इस कथन के आलोक में समझाइए कि निर्धनता उन्मूलन के लिए केवल आर्थिक मदद क्यों पर्याप्त नहीं है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (अ) कीमतों में वृद्धि से गरीबी का उन्मूलन नहीं किया जा सकता।
2. (अ) सापेक्ष, क्योंकि निरपेक्ष मापन में तो किसी देश की आर्थिक अवस्था को ध्यान में रखा जाता है।
3. (ब) जवाहर रोज़गार योजना तथा शिक्षित बेरोज़गार युवकों के लिए स्व-निर्माण योजना दोनों ही निर्धनता को दर करने के कार्यक्रम हैं।
4. (स) प्रत्येक देश एक काल्पनिक रेखा का प्रयोग करता है जिसे विकास एवं उसके स्वीकृत न्यूनतम सामाजिक मानदंडों के वर्तमान स्तर के अनुरूप माना जाता है। उसे निर्धनता रेखा कहते हैं।
5. (अ) भारत में गरीबी के अनुमान दो रूप में दिए जाते हैं- गरीबी अनुपात (प्रतिशत) तथा गरीब लोगों की कुल संख्या।
6. (स) वृद्ध, महिलाएँ तथा बच्चियाँ निर्धनों में भी सबसे अधिक निर्धन हैं।
7. (स) कृषि के विकास से गरीबी का उन्मूलन किया जा सकता है।
8. (द) नेशनल सैम्पल सर्वे ऑर्गनाईजेशन।
9. (स) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति।
10. (अ) जनसंख्या नियंत्रण गरीबी का कारण नहीं है जबकि जनसंख्या वृद्धि गरीबी का कारण हो सकता है।
11. **रिक्त स्थान :** सापेक्षिक
12. **रिक्त स्थान :** अधिक
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. महिलाओं, वृद्ध लोगों और बच्चों को अति निर्धन माना जाता है क्योंकि उन्हें सुव्यवस्थित ढंग से परिवार के उपलब्ध संसाधनों तक पहुँच से वंचित रखा जाता है।
16. यह राज्य द्वारा गरीबों के जीवन स्तर के विकास के लिए प्रारंभ किया गया कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत गरीब परिवारों को भूमि के आबंटन, आवास (House sites), घर के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता, पशु के क्रय एवं लघु उद्योग के निर्माण के रूप में सहायता प्रदान की जाती है।
17.

i. भारत में निर्धनता रेखा का निर्धारण करते समय जीवन निर्वाह के लिए खाद्य आवश्यकता, कपड़ों, जूतों, ईधन और प्रकाश, शैक्षिक एवं चिकित्सा सम्बन्धी आवश्यकताओं आदि पर विचार किया जाता है।

ii. निर्धनता रेखा का आकलन करते समय खाद्य आवश्यकता के लिए वर्तमान सूत्र वंचित कैलोरी आवश्यकताओं पर आधारित है।

iii. 2011-12 में किसी व्यक्ति के लिए निर्धनता रेखा का निर्धारण ग्रामीण क्षेत्रों में रूपये 816 और शहरी क्षेत्रों में रूपये 1000 रूपये प्रतिमाह किया गया था।

18. गरीबी का दुश्चक्र- इसका तात्पर्य गरीब का गरीबी के चंगुल में फंसा रहना है। गरीबी के कारण पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं होता है, आय के साधन सीमित हो जाते हैं। निरक्षरता, कुपोषण, बीमारी कमर तोड़ देती है। परिणामस्वरूप गरीब, गरीबी के दुश्चक्र में फंसा रहता है। गरीबी, गरीबी को जन्म देती है और उसका पालन पोषण भी करती है। गरीबो, गरीबी का कारण है और उसका परिणाम भी।
19. भारत सरकार की ऐसी कई योजनाएँ है जिनको प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से गरीबी कम करने के लिए बनाया गया। उनमें से एक राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (एन.आर.ई.जी.ए.) की विशेषताऐं अग्रलिखित हैं:-

i. राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (एन.आर.ई.जी.ए.) को सितंबर 2005 में पारित किया गया।

ii. यह विधेयक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन के सुनिश्चित रोजगार का प्रावधान करता है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

iii. प्रारंभ में यह विधेयक प्रत्येक वर्ष देश के 200 जिलों में और बाद में इस योजना का विस्तार 600 जिलों में किया गया।

iv. प्रस्तावित रोजगारों का एक तिहाई रोजगार महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है।

v. केंद्र सरकार राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कोष भी स्थापित करेगी। इसी तरह राज्य सरकारें भी योजना के कार्यान्वयन के लिए राज्य रोजगार गारंटी कोष की स्थापना करेंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत अगर आवेदक को 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध नहीं कराया गया तो वह दैनिक बेरोजगार भत्ते का हकदार होगा।

20. विश्व बैंक की परिभाषा के अनुसार प्रतिदिन 1 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह करने वाले लोग निर्धनता की श्रेणी में आते हैं। विकासशील देशों में अत्यंत आर्थिक निर्धनता में रहने वाले लोगों का अनुपात 1990 के 28 प्रतिशत से गिर कर 2001 में 21 प्रतिशत हो गया है। यद्यपि 1980 से वैश्विक निर्धनता में उल्लेखनीय गिरावट आई है, लेकिन इसमें वृहत क्षेत्रीय भिन्नताएँ पाई जाती हैं।

तीव्र आर्थिक प्रगति और मानव संसाधन विकास में वृहत निवेश के कारण चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में निर्धनता में विशेष कमी आई है। चीन में निर्धनों की संख्या 1981 के 60.6 करोड़ से घट कर 2001 में 21.2 करोड़ हो गई है। दक्षिण एशिया के देशों (भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान) में निर्धनों की संख्या में गिरावट इतनी तीव्र नहीं है। जबकि लैटिन अमेरिका में निर्धनता का अनुपात पहले जैसा ही है, सब-सहारा अफ्रीका में निर्धनता वास्तव में 1981 के 41 प्रतिशत से बढ़कर 2001 में 46 प्रतिशत हो गई है।

विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार नाइजीरिया, बांग्ला देश और भारत में अब भी बहुत सारे लोग प्रतिदिन 1 डॉलर से कम पर जीवन निर्वाह कर रहे है। रूस जैसे पूर्व समाजवादी देशों में भी निर्धनता पुनः व्याप्त हो गई, जहाँ पहले आधिकारिक रूप से कोई निर्धनता थी।

21. यह कथन सत्य है कि केवल आर्थिक सहायता (जैसे सब्सिडी, नकद राशि आदि) से निर्धनता को स्थायी रूप से समाप्त नहीं किया जा सकता। निर्धनता एक बहुआयामी समस्या है, जो केवल आय की कमी नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा जैसे अन्य कारकों से भी जुड़ी होती है।

शिक्षा और कौशल की कमी: आर्थिक सहायता अस्थायी राहत दे सकती है, लेकिन यदि व्यक्ति शिक्षित और प्रशिक्षित नहीं है, तो वह आत्मनिर्भर नहीं बन सकता।

स्थायी रोजगार की आवश्यकता: निर्धनता को मिटाने के लिए लोगों को नियमित और सम्मानजनक काम मिलना आवश्यक है। अस्थायी आर्थिक सहायता से यह संभव नहीं।

स्वास्थ्य सेवाएं : यदि गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ नहीं हैं, तो उनकी बचत इलाज में खर्च हो जाती है और वे फिर निर्धनता की ओर लौट जाते हैं।सामाजिक असमानता:समाज में व्याप्त जाति, लिंग और वर्ग के आधार पर भेदभाव भी निर्धनता को बनाए रखते हैं, जिनका समाधान केवल आर्थिक मदद से नहीं हो सकता।

योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन : यदि सरकारी योजनाएँ ठीक से लागू न हों या भ्रष्टाचार हो, तो आर्थिक सहायता का लाभ निर्धनों तक पहुँच ही नहीं पाता। इसलिए, निर्धनता को दूर करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और स्थायी रोजगार को शामिल किया जाए।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TESTSERIES
Download Mission Gyan App